विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 26 मार्च से 1 अप्रैल 2026 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 45 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

आदर्श परिवार वह नहीं कहा जा सकता है, जहां एक व्यक्ति जान तोड़कर कमाता है बाकी केवल शाही जीवन जीने की तमन्ना रखते हैं. लेकिन कई बार करने वाले को दर्द होने के बाद उसे समझने की बजाय जब सभी मिलकर उसे ही कोसते हैं तो बुरा लगता है. मेहनत करने वाला परिवार के लिए कितना त्याग करता है, वह जहां समझा जाता है, वह परिवार सदा आगे बढ़ता है. वर्ना कई सम्पन्न परिवार भी बर्बाद हो जाते हैं.

प्रभु श्रीराम जन्मोत्सव पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

अमरावती-अमरावती सहित समूचे देश में मर्यादा पुरूषोत्तम और 36 गुणों से युक्त रहने वाले प्रभु श्रीराम जन्मोत्सव की सभी को विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं. प्रभु श्रीराम सनातन धर्म के ही महानायक नहीं बल्कि समूचे विश्व के महानायक कहना गलत नहीं होगा. पुत्र, पिता,पति तथा भाई के सभी संबंधों क़ो जो पवित्रता प्रदान की है, वैसा उदाहरण पूरे विश्व में नहीं.

संबंधित लेख पेज 4-5 पर

गुणों की खान हैं समस्त जग के कृपानिधान

श्रीराम नवमी पर विशेष, श्रीराम को आचरण में उतारने पर व्यक्ति को कभी कोई कमी नहीं हो सकती

प्रभु श्रीराम एक आदर्श राजा, आदर्श पुत्र, आदर्श मानव के साथ ही ३६ गुणों से युक्त थे. उनके चार गुण भी इंसान अपना ले तो उसका जीवन पूरी तरह से धन्य हो जाए. श्रीराम को जीवन तथा आचरण में उतारने की जरूरत है.

भारतीय संस्कृति में श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है, क्योंकि उनके जीवन में आदर्श चरित्र, उच्च संस्कार और कर्तव्यनिष्ठा के सभी गुण विद्यमान थे. कहा जाता है कि प्रभु श्रीराम ३६ दिव्य गुणों से संपन्न थे, जो उन्हें एक आदर्श पुत्र, आदर्श राजा, आदर्श पति और आदर्श मनुष्य बनाते हैं. इंसान में अगर कुछ गुण अच्छे आ जाएं तो निश्चित तौर पर अपने कर्म से वह महान बन सकता है.

प्रभु श्रीराम आदर्श राजा के रूप में जहां रामराज्य के प्रमुख थे, जिनके राज में कोई दु:खी नहीं था, न कोई परेशान था. वे सनातन धर्म के महानायक के साथ ही जीवन के अपने अवतार में मानव की संवेदनाओं के साथ ही हर रिश्ते में आदर्श साबित हुए. भारतीय परंपरा में श्रीराम केवल भगवान नहीं, बल्कि

विदर्भ स्वाभिमान

सुदर्शन गांग,बडनेरा

एक आदर्श मानव और श्रेष्ठ शासक के रूप में पूजे जाते हैं. उनका जीवन संघर्ष, त्याग और मर्यादा का अद्भुत उदाहरण है.श्रीराम ने एक सामान्य मानव की तरह जीवन की कठिनाइयों का सामना किया. पिता के वचन की रक्षा के लिए उन्होंने राजसुख त्याग कर १४ वर्ष का वनवास स्वीकार किया. एक पुत्र, भाई और पति के रूप में उन्होंने हर संबंध को पूरी निष्ठा और प्रेम से निभाया. वनवास के दौरान उन्होंने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया और रावण का वध कर धर्म की स्थापना की. यह केवल एक युद्ध नहीं था, बल्कि सत्य और अधर्म के बीच की लड़ाई थी.अयोध्या

शेष पेज ७ पर

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

सिलेंडर कालाबाजारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जरूरी

अमरावती शहर के साथ ही जिले में कुछ गैस एजेंसियों के खिलाफ जिस तरह से शिकायतें आ रही हैं, वह निश्चित ही चिंताजनक कही जा सकती हैं. मुसीबत के समय कौन कहे लोगों की मदद का भाव रखकर व्यवसाय करना चाहिए लेकिन अधिक कमाने की चाहत में कई लोगों के गैस सिलेंडर ब्लैक में बेचने और लोगों को त्रस्त करने वाले कालाबाजार को प्रोत्साहित करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए. जिलाधिकारी को स्वयं इस मामले में ध्यान देना चाहिए. सिलेंडर से गैस निकालने का प्रयास तो उससे भी खतरनाक है. अपनी मौत के साथ ही कुछ स्वार्थी जिस तरह से खतरनाक खेल खेल रहे हैं, पुलिस को भी उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए.

खाड़ी में युद्ध के बाद भी सरकार द्वारा जहां सभी व्यवस्थाओं को बेहतरीन बनाने का देशभर में प्रयास किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ असामाजिक किस्म के तत्वों द्वारा अधिक पैसे कमाने और लोगों की मजबूरी में लूटने के इरादे से भी कार्य किया जा रहा है, इसकी जितनी निंदा की जाए कम है. लोगों को सिलेंडर का नंबर लगाने के बाद कई दिनों तक सिलेंडर नहीं आ रहा है लेकिन सिलेंडर डिलीवर होने का संदेश आ रहा है. जबकि उनके घर पर सिलेंडर पहुंचा नहीं. लोगों का आरोप है कि सिलेंडर ब्लैक में अधिक कीमत में बेचा जा रहा है. ऐसा ही एक मामला शहर में भी सामने आया है. जहां गैस एजेंसी के खिलाफ भड़के ग्राहकों ने जमकर हंगामा मचाया. प्रशासन व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय है, वहीं दूसरी ओर अव्यवस्था को रोकने के लिए प्रशासन के प्रयास को पलीता लगाने का काम कर रहे हैं. शहर में रसोई गैस की किल्लत और कालाबाजारी की शिकायतों के बीच प्रशासन हरकत में आया है. संबंधित विभाग द्वारा गैस एजेंसियों की जांच, स्टॉक की समीक्षा और आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं.

अधिकारियों ने एजेंसियों को समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं. साथ ही कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है. प्रशासन का कहना है कि आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए निगरानी बढ़ाई जा रही है और जल्द ही स्थिति सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है. शहर में रसोई गैस की किल्लत के बीच कालाबाजारी के आरोप तेज हो गए हैं. सोमवार को रुक्मिणी नगर स्थित लक्ष्मी भारत गैस एजेंसी के बाहर बड़ी संख्या में ग्राहकों ने हंगामा किया. उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि बुकिंग के बाद मोबाइल पर डिलीवरी का मैसेज आता है, लेकिन सिलेंडर घर तक नहीं पहुंचता. समाजसेवी संगम गुप्ता के साथ कई ग्राहकों के अनुसार 15 18 दिन बीतने के बाद भी गैस नहीं मिल रही, जबकि एजेंसी पर जानबूझकर सप्लाई रोक कर 1800 से 2000 रुपये तक में सिलेंडर बेचे जा रहे हैं. महिलाओं ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि गैस नहीं मिलने से घर का कामकाज प्रभावित हो रहा है.शहर में कुछ गैस एजेंसियों पर घरेलू गैस सिलेंडर की होटलों व व्यावसायिक उपयोग में अवैध सप्लाई के आरोप भी लगाए गए हैं. नाराज नागरिकों ने प्रशासन से मामले की जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग की है. प्रशासन को इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए. समाजसेवी संगम गुप्ता ने इसके खिलाफ जिस तरह से प्रयास किया, उसकी सराहना की जानी चाहिए.

साधू ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय....

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

विश्व के महानतम सनातन धर्म को बदनाम करने में जितने ढोंगियों ,कथित साधुओं और धन कमाने का माध्यम बनाने नकली आचार्यों की भूमिका है, उससे भी अधिक जिम्मेदार वह महिलाएं हैं, जिन्हें शास्त्र में पति को परमेश्वर दिए जाने के बाद भी उसके पैर छूने में शर्म आती है और ऐसे पापी, धर्म से किंचित मात्र संबंध नहीं रखने वाले ढोंगियों के चरणों में लोटांगण के साथ ही बहुत कुछ करने में शर्मिंदगी महसूस नहीं होती है. एक के बाद एक नकली साधु संतों के ढोंग सामने आने के बाद भी कुछ विशेष सुधार तो नहीं आ रहा है. जो आचार्य माया मोह से दूर रहने की सीख देते हैं और करोड़ों रूपए की सरकारी जमीनों पर आश्रम बनाते हैं, फाइव स्टार जीवन जीते हैं, उन्हें साधु कहना, उन महान साधुओं का अपमान होगा, जिन्होंने अपना पूरा जीवन समाज के उत्थान के लिए खर्च कर दिया है. लाखों रूपए लेने वाले भगवान के भक्त कैसे हो सकते हैं, भक्ति तो शबरी की थी, दस हजार साल तक प्रभु श्रीराम का इंतजार किया और उन्हें प्रभु ने दर्शन भी दिया.

ऐसे कैसे बने ये ढोंगी, कर्म करके कहते खुद को साधु, तन पर राख लगाकर, आंखें मूंदकर करते पाप, वैराग्य का दिखावा कर, भोगते विषयों का सुख तुकाराम कहते हैं, क्या-क्या कहें ऐसी संगत जलकर राख हो जाए.संत तुकाराम महाराज ने वर्षों पहले ही अपनी वाणी के माध्यम से समाज को ढोंगी बाबाओं से सावधान रहने का संदेश दिया था. यह भूमि संतों की है ज्ञान, भक्ति और सच्चाई की. फिर भी बीते कुछ वर्षों में धर्म के नाम पर कई ढोंगी बाबाओं ने अपना जाल फैला लिया है और लोगों की आस्था को व्यवसाय बना दिया है. विशेष रूप से महिलाओं को ऐसे तथाकथित बाबाओं से दूर रहने की आवश्यकता है. प्रवचन और चमत्कार के नाम पर कई बार भावनात्मक शोषण के मामले सामने आए हैं. सवाल उठता है कि आखिर महिलाएं ऐसे लोगों के पास क्यों जाती हैं? हर परिवार में समस्याएं आती हैं कभी आर्थिक, कभी पारिवारिक, तो कभी मानसिक. ऐसे समय में सहारे की तलाश

स्वाभाविक है, लेकिन सही मार्ग चुनना बेहद जरूरी है. आज कई ढोंगी बाबा बिना किसी ज्ञान, तर्क या शिक्षा के केवल मीठी बातों और झूठे आश्वासनों से लोगों को फंसाते हैं.श्रद्धा और अंधश्रद्धा के बीच बहुत पतली रेखा होती है. इसे समझना जरूरी है, जीवन बदलने की शक्तिप्रभु ने हर व्यक्ति में दी है. केवल हम उसे पहचान नहीं पाते हैं.मीठी बातों, झूठे वादों और तथाकथित चमत्कारों से वे विश्वास जीतकर आर्थिक और शारीरिक शोषण तक करते हैं. संस्कार और संस्कृति का दिखावा कर भोली-भाली जनता की आस्था का बाजार लगाने वाले कथित बाबाओं के जाल में हमेशा महिलाएं फंसती हैं. दुर्भाग्य ही साधु की व्याख्या बिना समझे हम कहीं भी सरेंडर जल्दी कर देते हैं. ऐसे में ही अशोक खरात पैदा होते हैं. महिलाओं को स्वयं को मजबूत बनाने का प्रयास करना चाहिए.

दर्द छिपा,खुशियां बांटते कैलाश लादे

ज़न्मदिन पर विशेष

दिल की सच्चाई,सादगी करती है सदा प्रभावित

भागदौड़ और स्वार्थभरे दौर में बहुत कम लोग ऐसे होते हैं, जिनका निर्मल मन, दर्द झेलकर भी किसी को भी खुशियां देने की मानसिकता उनके प्रति स्वयं ही सम्मान पैदा करती है, ऐसे ही व्यक्तियों में हैं शिराला निवासी किसान कैलाशभाऊ लादे. सीधे-सादे, संवेदनशील, परिवार की तरक्की के लिए दिन-रात अथक मेहनत करने के बाद भी सदा प्रसन्नचित रहने वाले कैलाश भाऊ की सादगी सदा प्रभावित करती है.

मेरी बेटी वंशिका की सहेली संस्कृति पिता के बारे में बताती है कि वे अपना दर्द भूलाकर सभी को खुशियां देने के साथ ही परिवार की खुशियों के लिए भी सदा तत्पर रहते हैं. अथक मेहनत, लगन और माता-पिता की सेवा को जहां उन्होंने सदा महत्व दिया, वहीं अमरावती में निजी नौकरी करने के अलावा शिराला में खेती में भी शनिवार को जाकर रविवार को वहीं रहकर खेती भी करते हैं. यह उनकी मेहनत ही है जो घर को आगे बढ़ा रही है. सादगी

और संवेदनशीलता इतनी अधिक है कि किसी से प्रेम तथा आत्मीयता मिलने पर आंखों से आंसू निकल आते हैं. कई लोग जैसा दिखते हैं, वैसा रहते नहीं हैं लेकिन कैलाशभाऊ लादे जीवन में बोले तैसा चाले वाले व्यक्ति का अनुभव मुझे भी सदा आया है.

समाज में उनके जैसे चुनिंदा लोग ही हम देखते हैं जो हर किसी के चेहरे पर मुस्कान लाने का काम करते हैं. वे दुखी को सहारा देते हैं, जरूरतमंद की मदद करते हैं और हर किसी के जीवन में खुशियां भरने की कोशिश करते हैं. वह खुद का दर्द छिपाकर दूसरों के जीवन में उजाला करते हैं. पत्नी प्रांजलीताई जहां मेहनती और हर स्थिति में उनके साथ रहती है, वहीं बेटी संस्कृति, बेटा अंशु का छोटा सा परिवार भी खुशहाल रहता है. उनका जीवन त्याग, सेवा और समर्पण का प्रतीक कहना गलत नहीं होगा. अतिथि देवो भव का उनका स्वभाव जहां किसी किसान के विशाल दिल का परिचायक है, वहीं दूसरी ओर सादगी किसी को भी प्रभावित करती है. उनके चेहरे पर हमेशा शांति और संतोष दिखाई देता है. कई संघर्ष और दर्द छिपे होते हैं. फिर भी वे अपने दुखों को कभी सामने नहीं लाते, बल्कि दूसरों के दुख को कम करने में ही अपनी खुशी ढूंढते हैं. उनका मानना है कि सच्ची खुशी दूसरों को खुश देखकर मिलती है. उनका जीवन हमें यह संदेश देता है कि इंसान का सबसे बड़ा धर्म मानवता है. उन्हें 24 मार्च को जन्मदिन पर हम सभी की शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना. उनके कई गुण लेने लायक हैं. इसलिए उनके व्यक्तित्व को रखने का प्रयास निश्चित ही प्रेरणादायी है.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

टाकरखेड़ा संभू में 26 मार्च की मध्यरात्रि हनुमान सवारी

टाकरखेड़ा संभू-विदर्भ की धार्मिक परंपराओं का अनूठा धरोहर संजोए टाकरखेड़ा संभू स्थित श्रीराम मठ में इस वर्ष भी रामनवमी के अवसर पर मध्यरात्रि में निकलने वाली हनुमान सवारी शोभायात्रा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनेगी. गुरुवार, 26 मार्च को रात 2 बजे के आसपास यह पारंपरिक सवारी निकलेगी, जिसमें हजारों श्रद्धालु रातभर जागकर इस दिव्य आयोजन के साक्षी बनेंगे.रामनवमी के दिन दोपहर 12 बजे श्रीराम जन्मोत्सव मनाने के बाद विडा विधि पूरी होती है और इसके पश्चात मध्यरात्रि में हनुमान सवारी की तैयारी शुरू होती है. सुबह लगभग 4 बजे तक चलने वाली इस शोभायात्रा में भक्ति, आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिलता है. खास बात यह है कि जहां देशभर में रामनवमी का उत्सव दिन में मनाया जाता है, वहीं टाकरखेड़ा संभू में यह आयोजन मध्यरात्रि में होता है, जो इसकी विशिष्ट पहचान है.हनुमान सवारी की यह परंपरा अत्यंत प्राचीन है. इसकी शुरुआत कब हुई, इसका स्पष्ट उल्लेख नहीं मिलता, लेकिन लगभग 400 वर्षों से यह परंपरा निरंतर चली आ रही है. गोसावी समाज के भारती परिवार इस परंपरा के प्रमुख संरक्षक हैं. वर्तमान में वृद्ध विठ्ठल भारती की परंपरा को उनके पोते विवेक भारती आगे बढ़ा रहे हैं. इससे पहले त्र्यंबक भारती और उनके पूर्वज इस परंपरा का निर्वहन करते रहे हैं.मठ में सुरक्षित प्राचीन हनुमान मुखौटा, पारंपरिक वेशभूषा और विशेष काठियों के साथ सवारी का स्वरूप साकार किया जाता है. इस दिव्य दर्शन के लिए आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु उमड़ते हैं.हजारों भक्त यहां आकर दर्शन कर धन्य होते हैं. 400 साल पुरानी इस परम्परा को ध्यान में रखते हुए इस मंदिर में राज्यभर से भक्त शामिल होते हैं. भक्तों को मनोवांछित फल मिलने से उनका विश्वास भी बढ़ता है. इसमें पूरा गांव भक्तिभाव से सहभागी होता है.

भारतीय परंपरा के अद्वितीय महानायक

हजारों वर्ष बाद भी श्रीराम और श्रीकृष्ण हैं जनमानस में

भारतीय सनातन धर्म सबसे महान है, इसके दो महानायक के रूप में प्रभु श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण को लिया जा सकता है. हजारों साल के बाद भी दोनों का जीवन चरित्र मानवता, राष्ट्रधर्म, प्रजापालक राजा कैसा हो, इसकी सीख देता है. एक थेअरी तथा दूसरा प्रैक्टिकल कहना गलत नहीं होगा. जन्म से लेकर अपने धाम जाने तक दोनों के कार्य धर्म की रक्षा और अधर्म के नाश के लिए रहा. फिर उसके लिए अपनों के खिलाफ भी शस्त्र चलाना पड़ा तो बेझिझक ऐसा किया. हजारों वर्षों के बाद भी दोनों महानायकों को लेकर जनमानस में अपार श्रद्धा,विश्वास है. इतना ही नहीं तो महानायकों के गुणों पर अगर विश्व चले तो कहीं युद्ध नहीं, सर्वत्र शांति और खुशहाली होगी. श्रीराम नवमी को सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ और बच्चों से लेकर युवा पीढ़ी और सभी को दोनों महानायकों के जीवन आदर्श जीवन में शामिल करना चाहिए.

एक ने अयोध्या से रामेश्वर तक और दूसरे ने द्वारका से असम तक अपने चरित्र के माध्यम से इस भारतभूमि को हजारों वर्षों से संस्कारों के अनोखे बंधन में बांधे रखा है. दोनों के जीवन में जन्म से ही अद्भुत विरोधाभास दिखाई देता है.एक का जन्म तपती दोपहर में हुआ, तो दूसरे का जन्म घोर वर्षा की मध्यरात्रि में. एक का जन्म राजमहल में, तो दूसरे का कारागार में हुआ.

फिर भी समानता देखें तो दोनों ने अपने जीवन की शुरुआत में ही अधर्म का नाश किया. एक ने ताड़का का वध किया, तो दूसरे ने पूतना का.

शबरी के बेर और सुदामा के चिवड़े आज भी उनके सरल, प्रेमपूर्ण और मित्रवत स्वभाव के उदाहरण हैं.दोनों के जीवन को मोड़ देने वाली स्त्रियाँ कैकेयी और गांधारी एक ही प्रदेश से थीं, और दोनों ने उनके कटु वचनों को भी सम्मानपूर्वक स्वीकार किया.एक ने सुग्रीव को राज्य दिलाया, तो दूसरे ने युधिष्ठिर को. एक ने लोकमर्यादा के लिए पत्नी का त्याग किया, तो दूसरे ने लोकलाज की परवाह किए बिना 16 हजार स्त्रियों को आश्रय दिया.

एक ने पिता के वचन और धर्म के लिए वनवास स्वीकार किया, तो दूसरे ने धर्म की रक्षा के लिए अपने ही परिजनों के विरुद्ध युद्ध का मार्ग चुना.एक ने जन्मभूमि को स्वर्ग समान माना, तो दूसरे ने कर्मभूमि को ही स्वर्ग बना दिया. एक ने अंगद के माध्यम से और दूसरे ने स्वयं शत्रु के दरबार में जाकर युद्ध टालने का प्रयास किया.एक ने समुद्र पार कर स्वर्णमयी लंका का अंत किया, तो दूसरे ने समुद्र किनारे द्वारका बसाई. एक ने बाली के कटु वचन सहन किए, तो दूसरे ने एक व्याध के बाण से मृत्यु स्वीकार की.यदि कहें तो एक थेअरी यानी सिद्धांत है, तो दूसरा प्रैक्टिकल यानी व्यवहार है.इन दोनों महान व्यक्तित्वों ने, अपने अलग-अलग मार्गों के बावजूद, हजारों वर्षों से भारतीय समाज को दिशा दी है. वे आज भी हमारे लिए प्रेरणा के दीपस्तंभ हैं और आगे भी सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे.

विदर्भ स्वाभिमान
सुधीर महाजन,इंदौर

महाराष्ट्र शासन

कार्यालय कार्यकारी अभियंता सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर

ई-मेल पत्ताः- achalpur.ec@mahapwd.gov.in दुरध्वनी / फैक्स क्रमांकः ०७२२३ २२०२६०

निविदा सुचना क्रमांक-५८/निली/२०२५-२०२६

कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर दुरध्वनी क्रमांक. ०७२२३ २२०२६० हे राज्यपाल, महाराष्ट्र शासन हयांच्या वतीने खालील कामांचे ब-१ नमुन्यातील ऑफलाईन निविदा सार्वजनिक बांधकाम विभाग महाराष्ट्र शासनाकडील योग्य त्या वर्गातील नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून मागवित आहे. निविदा विषयी तपशील http:// mahapwd.gov.in पोर्टलवर Pay PWD Online सबपोर्टलवर पहावयास मिळेल व e-Payment Gateway निविदा शुल्क भरूण कोरी निविदा प्रपत्र डाउनलोड करावी. http://mahapwd.gov.in या पोर्टलवरून निविदा खरेदी केल्यानंतर खरेदी केल्यानंतर खरेदी केल्याची पावतीसह लिफाफा क्र.१ मध्ये निविदेत नमुद केलेले दस्ताऐवज सादर करणे बंधनकारक राहील व कोरे निविदा प्रपत्र Online महाराष्ट्र शासन हयांच्या वतीने खरेदी केल्यावर निविदा प्रपत्राच्या प्रती काढुन (Tender Print Out) व्यवस्थित बाईडिंग करून निविदा प्रपत्रात आवश्यक त्या ठिकाणी देकार भरून स्वतःची स्वाक्षरी करून निविदेत नमुद केल्याप्रमाणे सिलबंद लिफाफा क्र. २ मध्ये सादर करणे आवश्यक आहे. सोबत नोंदणीकृत कंत्राटदारांची इसारा रक्कम एफ. डि. आर स्वरूपात सादर करावी. तसेच निविदा स्विकारण्याचा तसेच निविदा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर यांनी राखून ठेवला आहे.

अ.क्र.	कामाचे नाव	अंदाजित किमत
१	मौजे करजगांव ता. चांदुर बाजार जि. अमरावती येथे गजानन महाराज संस्थान, लोखंडीपूरा जवळ सभागृह बांधकाम करणे	८४०४०५,००
२	मौजे वाठोंडा ता. चांदुर बाजार जि. अमरावती येथे विश्वनाथ निभोरकर ते डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर पुतळयापर्यंत रस्ता बांधकाम करणे	८१८८५६,००
३	मौजे पिंपरी ता.चांदुर बाजार जि. अमरावती येथे स्मशानभूमी शेड बांधकाम करणे	५०५५७८.००
4	मौजे प्रल्हादपूर ग्रा.प. शिरजगाव बंड ता. चांदूर बाजार येथे श्रीकृष्ण कॉलोनी मध्ये श्री. गुळदे ४ यांचे घरापासून ते श्री. भागवत यांच्या घरा पर्यंत सार्वजनिक सिमेंट रस्ता बांधकाम करणे.	८२२००३.००
5	मौजे राजना पूर्णा ता. चांदूर बाजार येथील श्री. तायडे यांच्या घरापासून ते श्री. वायकर यांच्या घरापर्यंत सार्वजनिक सिमेंट रस्ता बांधकाम करणे.	८४५२१४,००
1	ऑफलाईन निविदा डाऊनलोड करण्याचा कालावधी	दि.२५/०३/२०२६ @ १०.०० वाजता ते ०१/०४/२०२६ २३.०० वाजता
2	२ निविदा पूर्व बैठक स्थळ, दिनांक व वेळ	निरंक
3	निविदाकारांनी ऑफलाईन निविदा तयार करण्यासाठी (तांत्रिक व आर्थिक निविदा) निविदेची हार्ड कॉपी सादर करण्याचा ठिकाण, दिनांक व वेळ	ऑफलाईन निविदा बाबतची हार्ड कॉपी (तांत्रिक लिफाफा) सीलचंद लिफाफ्यामध्ये दि.06/04/2026 18.00 वाजतापर्यंत निवीदे नुसार कार्यालयात सादर करणे बंधनकारक आहे.
4	ऑफलाईन तांत्रिक व आर्थिक निविदा उघडण्याचे ठिकाण, दिनांक व वेळ	कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर यांचे कार्यालयात दि.07/04/2026 @ 10.00 ते @ 18.00 वाजेपर्यंत ऑफलाईन उघडण्यात येतील. (शक्य झाल्यास)

१) खालील कारणांमुळे आपली निविदा रद्द करण्याचे अधीकार सक्षम अधिकारी यांनी राखून ठेवले आहे.

१) निविदा प्रपत्राची सुस्पष्ठ न दिसनारी प्रत २) अपुर्ण निविदा प्रपत्र (पान कमी असलेले) ३) निविदा प्रपत्रामध्ये कंत्राटदाराकडून छापील मजकुरामध्ये खोडतोड व बदल करणे. ४) निविदेसोबत जोडण्यात येणारे आवश्यक कागदपत्र राजपत्रीत अधिका-याकडून साक्षांकीत न केलेले कागदपत्र व अपुर्ण कागदपत्रे ५) निविदा खरेदी केल्यानंतर खरेदी केल्याची पावती निविदेसोबत सादर न करणे. ६) निविदेच्या लिफाफ्यावर कामाचे संपूर्ण नाव कंत्राटदाराचे संपूर्ण नाव व पत्यासहीत व स्वाक्षरी न केलेले लिफाफे ईत्यादी.

२) निविदा विषयक सर्व सांक्षाकीत कागदपत्रे लिफाफा क्र.१ मध्ये सादर करावे व लिफाफा क्र.२ मध्ये देकाराची ब-१ निविदा प्रपत्र सादर करावी.

३) कोणत्याही कारणास्तव काम रद्द झाल्यास त्या कामाची कोरे निविदा प्रपत्राची रक्कम परत केल्या जाणार नाही. किंवा इतर कामावर वळती करता येणार नाही.

खालील संकेतस्थळावर ऑफलाईन निविदाची सर्व माहिती उपलब्ध आहे.

1) http://mahapwd.gov.in

(सदर निविदे सुचनेमध्ये काही बदल होत असल्यास परील वेबसाईटवरती कळविण्यात येईल.)

२) कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर कार्यालयातील सूचना फालक

जावक क्रमांक १२०८/निली/२०२५-२०२६/दि.२३/०३/२०२६

कार्यकारी अभियंता यांचे कार्यालय, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर

(प्रमोद भा. वानखडे)

जिमाका /अम. / जाहि./218/२०२८

कार्यकारी अभियंता सार्वजनीक बांधकाम विभाग अचलपूर

घायल श्रीहरी से मां पूछ रही हैं उपचार का तरीका

गतांक से जारी- 'हे पुत्र ! तुम्हारे शरीर से इस रूप में पसीना क्यों निकल रहा है? तुम्हारे कोमल शरीर पर पत्थरों की ये चोटें किस पाप से हुई हैं? धैर्यवान तुम इस रूप में दीन बनकर आंखों से क्यों आँसू बहा रहे हो? जो कुछ हुआ उसे मुझे सच-सच बताने के लिए कहती हूँ तो यह मौन कैसे?' कहते ओढ़े हुए वस्त्र को हटाकर उठाकर वकुल मालिका ने श्रीनिवास को शय्या पर बिठा दिया. जहाँ-जहाँ चोट लगी थीं वहाँ पर -दूसरा वस्त्र ओढ़ाकर, शरीर पर चंदन का लेप किया. ठंडे पानी से नेत्रों को साफ करके सहलाते-सहलाते श्रीनिवास को जगाकर, श्रेष्ठ जूही के - फूलों से बने पंखे से हवा देकर श्रीनिवास की थकावट को दूर किया-इस रूप में हरि की थकावट को दूर करने के बाद बड़ी दया और - वात्सल्य के साथ वकुत्ला देवी ने 'हे पुत्र ! परमान्न खाओ' प्रेम से पूछा. फिर भी श्रीनिवास ने कोई जवाब नहीं दिया. पूत्र की हालत को देखकर तुला मालिका व्याकुल हो गयी. फिर कहा. 'हे पुत्र! वेंकट! अपनी

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

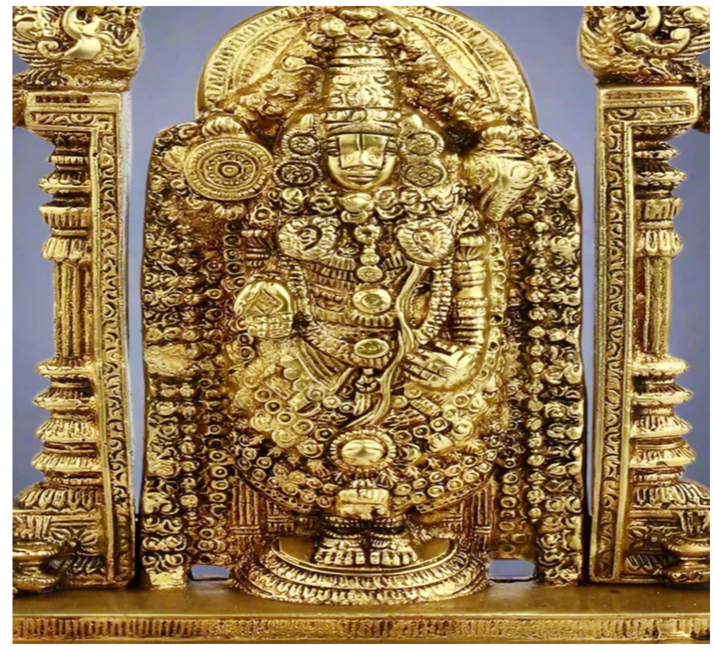

चकुला ने हरि की तरफ देखकर फिर से कहा. कहीं तुम वन में कि सौंदर्यवती विलासी सुंदरी को देखकर विभ्रम होकर उसके माह में गए हो ? कहीं तुम्हारे मन में उसका रूप बस गया हो? कहीं उस ल ने तुम्हारे ह्मदय पर बाण छोड दिया हो? हे पुत्र! तुमने जिसे देखा वह किन्नेरा तो नहीं है? कहीं गीर्वाणी भामिनी तो नहीं है? कान जंगलों में घूमनेवाली चेंचीता तो नहीं है? गंधर्व कामिनी तो नहीं है वनदेवता है या कही अप्सरा उर्वशी तो नहीं है? कही मनका तो न है? सर्वलक्षणों से शोभित रंभा तो नहीं है? तिलोत्तमा तो नहीं है. घृताची तो नहीं है? इन दसों कन्याओं में किसे देखकर तुम आये हो वह मुझे सच-सच बताओ.' वकुला के इस रूप में बोलने से भी श्रीकां सर झुकाकर ही चुप रहे. कुछ नहीं बोले. उसके नेत्रों से भाष्य निकाले ही रहे. इस रूप में दुःखी चक्री को देखकर वकुला मालिका ने भीति फिर इस रूप में कहा. 'कहीं मोहिनी भूत तुम्हारे सामने खड़ी होकर मो डाल कर गयी है क्या? गगन से कोई कामिनी भूत तुम पर सवार है गयी है क्या? बताओ हे पुत्र ! अगर नहीं तो इस रूप में मुझसे कुष्ठ नो बोलने का क्या कारण है? मेरी व्याकुलता बिना कुछ बताये कैसे र होगी. मैं कौन-सौ चिकित्सा करके तुझे ठीक सर सकूँ? एक शब्द भी मुझ से कहे बिना विकलात्मा होकर विवेकहीन होने से मेरा मन व्याकुल है रहा है. आगे मेरा क्या होगा? तुम मौन धारण करके इस रूप में कु रहोगे तो यहाँ पर आगे हमारा रखवाला कौन है? कम से कम उस बता स्वामी को तो अपना वृत्तांत बताओ.

इतना रहस्य क्या है? आत्मीयत से तुम्हारे मन की चिंता को मुझे बताओ. मैं नाना प्रकार से उस विचार करके तुम्हारी चिंता को निश्चय ही दूर करूँगी. इस रूप में ओर देख रहे हो. तुम जीवित रहने से ही मैं जीवित रहूँगी. तुम्हारे बिर मेरे लिए भी देह की जरूरत नहीं है. मैं भी यहीं पर खड़ी रहूँगी.

मेरे भाग्य में जो लिखा हुआ है, उससे अलग कुछ नहीं होगा. तुम्हारे साथ परिणय करने के बाद में कहीं भी चला जाऊँ मेरे लिए कुशल ही होगा. हे मानिनी! इसलिए तुझे अपने गले में लिए बिना नहीं छोड़ने की बात हरी ने कही. पद्मावती के द्वारा हरि पर पथराव कराना-कहते पद्मावती के समीप पहुँचनेवाले श्रीनिवास को देखकर पद्मावती को बड़ा गुस्सा आया. अपनी आंखें लाल करके, श्रीहरि का धिक्कार करते हुए, सखियों की तरफ मुड़कर 'इस निषाद पर पथराव करो' पद्मावती ने आज्ञा दी. तब पद्मावती की सखियाँ शीघ्र ही घोड़े पर सवार श्रीनिवास पर बड़ी मात्रा में पथराव करने लगीं. श्रीनिवास ने पथराव से अपने को बचाने की कोशिश की. पत्थर घोड़े पर लगे. घोड़ा घायल होकर नीचे गिर गया. तब श्रीनिवास घोड़े को छोड़कर आश्चर्यचकित होकर अति वेग से आनेवाले पत्थरों से अपने को बचाते हुए, सर के बाल खुलने से चारों दिशाओं में बचने के लिए भागने लगे. उत्तराभिमुख होकर वेंकटाद्रि पर चढ़ गए. अपने निवास स्थान वल्मीक में प्रवेश किया. फिर बकुला मालिका द्वारा बनायी गयी अपनी फूलों की शय्या पर ऐसा सो गए, मानो प्रलय काल में महाजल में वटपत्र पर सोने वाले परम पुरुष श्री हरि सो गए हों. तब इधर वन के मध्य में रहनेवाली पद्मावती ने अपनी सखियों को देखकर इस रूप में कहा. 'हे सखियाँ ! अपनी माँ की बातों को अनसुना करके मैं इस वन में आयी हूँ. यहाँ पर कष्टों का अनुभव किया. आगे इस पुष्प वन में नहीं आऊँगी.

शेष अगले अंक में

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे   प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

श्रीराम नवमी पर सभी को शुभकामनाएं

अमरावती- मर्यादा पुरूषोत्तम प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव पूरे देश में उत्साह से मनाया जाएगा. इस उपलक्ष्य में समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया, सुदर्शन गांग, हेमंतकुमार पटेरिया, अभिषेक पंजापी सहित हजारों मान्यवरों ने शहर तथा देशवासियों को श्रीराम नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं. साथ ही सभी का जीवन खुशियों, स्वास्थ्य से युक्त रहने की शुभकामनाएं दी हैं.

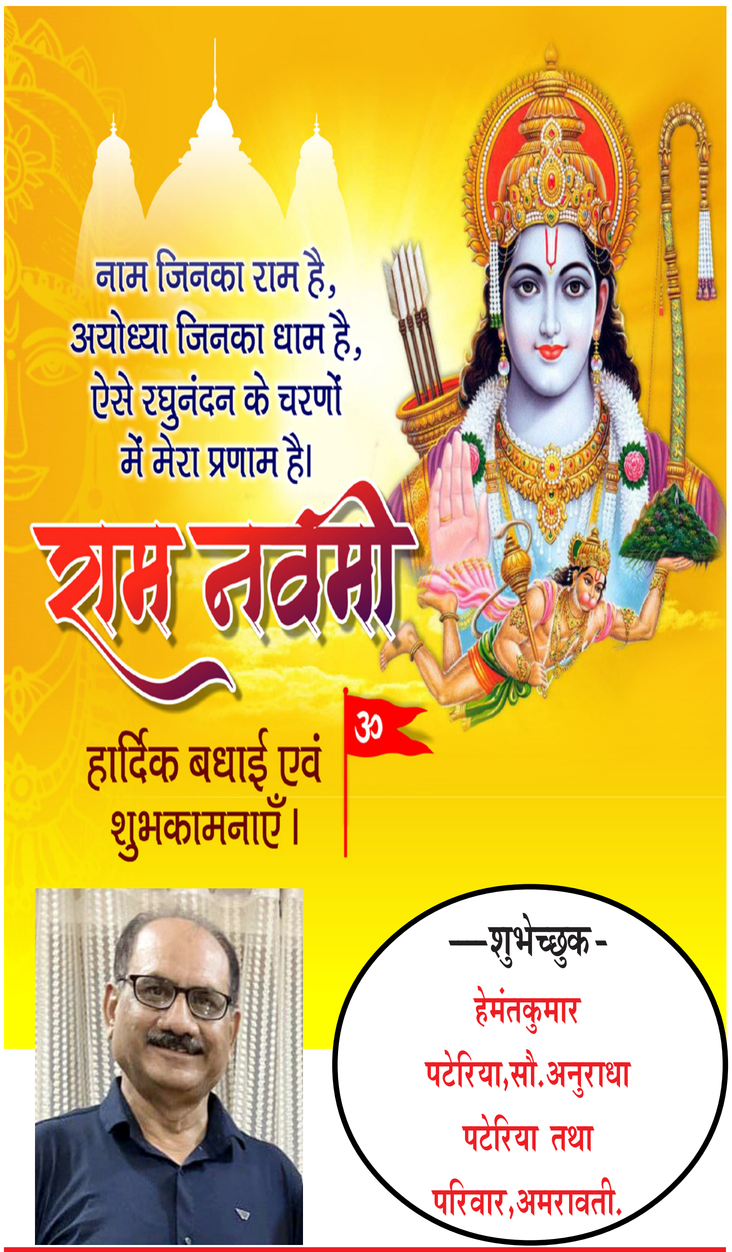

—शुभेच्छुक-

चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया परिवार,
अमरावती,मुंबई तथा समस्त मधुसूदन ग्रुप
परिवार, अमरावती.

३६ दिव्य गुणों से युक्त प्रभु श्रीराम

आदर्श पुत्र, पति, राजा और मनुष्य के प्रतीक हैं.

प्रमुख गुण: सत्य, धर्मपरायणता, कर्तव्यनिष्ठा, विनम्रता, करुणा, क्षमा, धैर्य, पराक्रम, न्यायप्रियता, त्याग, संयम, सरलता, दया, मर्यादा, बड़ों का सम्मान, मित्रता, लोकहित, वचनबद्धता, सहनशीलता, विवेक, परोपकार, नीति, उदारता, आत्मसंयम, शौर्य, नेतृत्व, ईमानदारी, निडरता, दृढ़ निश्चय, सौम्यता, कृतज्ञता और आध्यात्मिकता।

श्रीराम का जीवन सिखाता है कि सत्य, धैर्य और मर्यादा के साथ जीवन जीकर हर व्यक्ति अपना जीवन सफल बना सकता है।

रामेति रामभद्रेति रामचन्द्रेति वा स्मरन्।
नरो न लिप्यते पापैर्भुक्तिं मुक्तिं च विन्दति॥

resanskrit.com

A person reminding oneself of Rāma, Rāmabhadra, or Rāmacandra, is not affected by vice and finds prosperity and salvation.

श्रीरामरक्षास्तोत्रम् १२

राम, रामभद्र, या रामचन्द्र, ऐसा स्मरण करते हुए मनुष्य पाप में लिप्त नहीं होता है और समृद्धि तथा मुक्ति प्राप्त करता है।

Re संस्कृत™

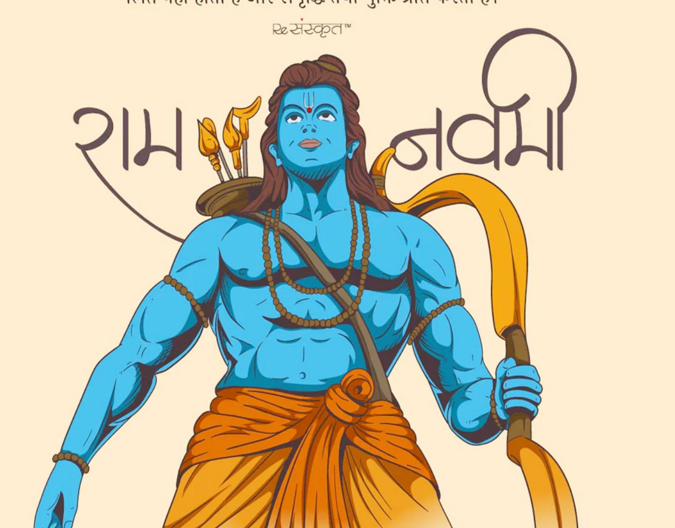

कांग्रेसी दिग्विजय सिंह ने किया श्रीराम लला का दर्शन

लखनऊ. कांग्रेस से राज्यसभा सदस्य और दो बार मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने गुरुवार को दिन में अयोध्या में हनुमान गढ़ी के साथ रामलला मंदिर में दर्शन.पूजन किया. दिग्गी राजा के नाम से विख्यात दिग्विजय सिंह अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण होने के बाद पहली बार रामलला का दर्शन करने पहुंचे थे.दर्शन-पूजन के बाद मंदिर प्रांगण से बाहर आए कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि जब प्रभु का बुलावा आता है तो हर व्यक्ति आ जाता है इसलिए जब मुझे बुलावा आया, तो मैं उपस्थित हो गया. उन्होंने कहा कि प्रभु के दर्शन करके अच्छा लगा. कांग्रेस में तो हर व्यक्ति अपनी आस्था अनसार धर्म का पालन करता है. हम धर्म का दुरुपयोग ना तो व्यवसाय के लिए करते हैं और ना राजनीति के लिए करते हैं.नेता दिग्विजय सिंह ने हनमान गढ़ी मंदिर में भी पूजा.अर्चना की और उन्होंने कहा कि मैंने तो कभी भी राम मंदिर निर्माण का विरोध नहीं किया. मैंने कभी राम मंदिर निर्माण का विरोध नहीं किया है. मैं अयोध्या राजनीति करने नहीं आया हूं. मैंने राम मंदिर निर्माण के दौरान चंदा भी दिया था.

कौशल विकास को समर्पित व्यक्तित्व हैं रविन्द्र दांडगे

ज़न्मदिन २३ मार्च पर विशेष, अष्टपैलू व्यक्तित्व के साथ विद्वता में विनम्रता बनाती है भीड़ में अलग चेहरा

पूर्व राज्यपाल रा.सू. गवई, सांसद डॉ. अनिल बोंडे तथा मेरे साथ जिन्होंने वर्षों तक निष्ठा और समर्पण के साथ सेवा दी, बिना किसी पारिश्रमिक की अपेक्षा के ऐसे कर्मठ कार्यकर्ता का नाम है रविंद्र दांडगे. अमरावती के यशोदा नगर क्षेत्र में रहने वाले रविंद्र दांडगे आज पत्रकारिता, सामाजिक जीवन और बहुजन आंदोलन में एक परिचित नाम बन चुके हैं. वे जो भी कार्य करते हैं, पूरी लगन और समर्पण के साथ करते हैं.विद्यार्थी जीवन में वे मेरे संपर्क में आए और धीरे-धीरे कार्य की बारीकियां सीखते गए. बाद में वे गवई परिवार से जुड़े और जब डॉ. अनिल बोंडे कृषि मंत्री थे, तब उन्होंने जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कार्य किया. इन सभी भूमिकाओं में उन्होंने निष्ठा और मेहनत से काम करते हुए अपना मजबूत स्थान बनाया. आज अमरावती जिले के राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक और शैक्षणिक क्षेत्र में उनका नाम सम्मान के साथ लिया जाता है.

वर्तमान में वे अमरावती के संत गाडगे बाबा आईटीआई में समूह निदेशक के पद पर कार्यरत हैं. यहां भी उन्होंने कौशल आधारित कई उपक्रमों में पहल कर महाराष्ट्र शासन की उपलब्धियों में योगदान दिया है. वे अपने शासकीय कर्तव्यों के साथ-साथ समाजसेवा को भी समान महत्व देते हैं और इसके लिए किसी प्रकार के आर्थिक लाभ की अपेक्षा नहीं रखते.

करीब 46 वर्षों से वे हमारे साथ जुड़े हुए हैं और अब हमारे परिवार का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं. हाल ही में एक जटिल कार्य के लिए वे मेरे पास आए. उनकी लगन को देखते हुए मैंने मंबई मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क कर कुछ ही घंटों में उनका कार्य पूर्ण करवाया. यह उनके वर्षों की निष्ठावान सेवा का ही परिणाम था.पत्रकारिता के साथ ही राजनीति में भी दमदार मौजूदगी के बाद भी उसकी सादगी किसी को भी प्रभावित करती है.

अष्टपैलू व्यक्तित्व हैं

रविंद्र दांडगे एक लेखक, कवि और पत्रकार भी हैं. वे पत्रकारिता के माध्यम से कौशल विकास विभाग की योजनाओं

का अध्ययन कर उनका प्रचार-प्रसार करते रहे हैं. इस कार्य के लिए उन्हें कई बार सम्मानित भी किया गया है. उनका एक कथासंग्रह प्रकाशित हो चुका है और कौशल की यशोगाथा नामक प्रेरणादायी पुस्तक प्रकाशन की प्रक्रिया में है, जिसमें सफल विद्यार्थियों की कहानियां संकलित हैं.

पिछले 30 वर्षों में उन्होंने अनेक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है. आईटीआई से पास युवाओं को मुद्रा लोन दिलाने से लेकर उन्हें अपना व्यवसाय स्थापित करने तक वे मार्गदर्शन करते हैं. पूरे महाराष्ट्र में उनके द्वारा तैयार किए गए अनेक युवा आज सफलतापूर्वक अपने पैरों पर खड़े हैं.

पत्रकारिता जगत में भी उनकी मजबूत पहचान है. कई संपादक और पत्रकार उनके घनिष्ठ मित्र हैं, जिसका कारण उनका व्यवहार और कार्यशैली है. जनसंपर्क अधिकारी के रूप में उन्होंने न केवल डॉ. बोंडे की छवि को सशक्त बनाया, बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं का भी संवेदनशीलता से समाधान किया. उनका व्यक्तित्व उस जल की तरह है जो सभी को अपने में समाहित कर लेता है और सभी के दिल में जगह बनाने की ताकत रखता है. वे वर्तमान में मिशन आईएएस और डॉ. पंजाबराव देशमुख आईएएस अकादमी के प्रचार-प्रसार का कार्य देख रहे हैं. समाचार लेखन और संपादन में उनकी विशेष दक्षता है, जिससे उनकी रचनाएं प्रभावशाली और आकर्षक बनती हैं.

उनके पिता अमरावती विभाग में तहसीलदार के पद पर कार्यरत थे और एक अनुशासित व कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में प्रसिद्ध थे. उनके संस्कारों का प्रभाव रविंद्र दांडगे के व्यक्तित्व में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है. उनकी पत्नी कावेरी भी आईटीआई में कार्यरत हैं और उनके सामाजिक कार्यों में पूर्ण सहयोग देती हैं. इस माह वे सेवानिवृत्त हो रहे हैं, लेकिन उनके व्यक्तित्व और ऊर्जा को देखकर यह विश्वास करना कठिन है. उन्होंने अपने स्वास्थ्य और सामाजिक प्रतिबद्धता को समान रूप से बनाए रखा है.ऐसे समर्पित और प्रेरणादायी व्यक्तित्व रविंद्र दांडगे को मिशन आईएएस परिवार,मानवता सेवा,राष्ट्र सेवा को साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और समाज तथा राष्ट्र सेवा करते रहें, हम यही कामना करते हैं.

प्रा.डॉ.नरेशचंद्र काठोले
संचालक, मिशन आईएएस,
अमरावती कैम्प

गुरुवार २६ मार्च से १ अप्रैल २०२६ तक

मेष-राशि के जातकों के लिए यह हफ्ता इमोशनल गहराई से शुरू हो रहा है. आपके राशि स्वामी मंगलदेव अभी कुंभ में हैं, लेकिन शुक्र का 2 मार्च को मीन राशि में उच्च होना आपके 12वें घर को प्रभावित करेगा. इससे आपके रिश्तों में दया और संवाद में नरमी आएगी. चंद्रदेव सिंह राशि में रहेंगे, जो आपके कॉन्फिडेंस और क्रिएटिविटी को बूस्ट करेंगे. चंद्रदेव तुला राशि में आने से पार्टनरशिप और इमोशनल बैलेंस पर फोकस बढ़ेगा.

वृषभ-राशि के लिए हफ्ता खुशनमा रहेगा क्योंकि 2 मार्च को शुक्र आपके ग्यारहवें घर यानी मीन राशि में उच्च के हो रहे हैं. वह दोस्ती, उम्मीदों और इमोशनल सपोर्ट को मजबूत करेंगे. चंद्रदेव सिंह राशि में होने से फैमिली मैटर्स और कम्फर्ट को हाईलाइट करेंगे.आपकी क्रिएटिविटी और रोमांस को सपोर्ट करेंगे. मिथुन में बृहस्पति रेट्रोग्रेड होने के कारण अपने फाइनेंस को ध्यान से रिव्यू कर सकेंगे वैसे इस हफ्ते आप चतुर बुद्धि का भी खूब प्रयोग करेंगे.

कर्क-मिथुन राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह उम्मीद की नई रोशनी लाएगा लेकिन शुरुआत में आपको कुछ मानसिक थकान और तनाव का सामना करना पड़ सकता है. कार्यक्षेत्र में आपके कुछ नया बदलाव दिखेगा जो आपको परेशान तो करेगा लेकिन बहुत कुछ सीखने का भी मौका देगा. आपको इस समय अवसर पर नजर बनाए रखने की जरूरत रहेगी. वैसे आपको जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा.

सिंह-कर्क राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह आरंभ में मानसिक उलझन भरा रहने वाला है. राशि स्वामी चंद्रमा सिंह राशि में केतु के साथ युति संबंध बनाएंगे. ऐसे में आपको जोखिम लेने से बचना चाहिए, चोट लगने की आशंका रहेगी और कुछ गलत निर्णय की वजह से मानसिक तनाव भी मिल सकता है. जो जातक तकनीकी कार्य से जुड़े हुए हैं उनको अपनी तकनीकी क्षमता का लाभ मिलेगा.

कन्या-सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित रहने वाला है. सप्ताह के पहले भाग में आपको अधिकारियों से वाद विवाद में उलझने से बचना होगा साथ ही आपको विरोधियो और शत्रुओं से भी सतर्क रहना होगा. सरकारी क्षेत्र का कोई काम फंसा है तो आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद से फायदा हो सकता है.

तुला-कन्या राशि के जातकों के लिए फरवरी का पहला सप्ताह सामान्य रूप से अच्छा रहेगा. वैसे इस हफ्ते आपकी सफलता में आपकी चतुर बुद्धि का बड़ा हाथ होगा. आप परंपरा से हटकर कुछ नया आजमाने का प्रयास कर सकते हैं. इस हफ्ते के आरंभ में ही राशि स्वामी बुध राहु से युति बनाएंगे ऐसे में आप उन क्षेत्रों से भी लाभ का अवसर निकालने में कामयाब होंगे जहां से काम बनने की उम्मीद कम होगी और इसके लिए आप उंगली टेढ़ी भी कर सकते हैं.

वृश्चिक-तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सुखद और अनुकूल रहेगा. बीमार चल रहे जातकों की सेहत में सुधार होगा. आप सप्ताह के आरंभ से ही सक्रिय और सजग नजर आएंगे. आपको अपने अनुभव और कार्यकुशलता का लाभ मिलेगा. आपकी कोई अटकी योजना पूरी होगी. लव लाइफ में प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा. कोई मित्र आपकी मदद भी कर सकता है. संतान सं संबंधित आपकी किसी चिंता का समाधान होगा.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं. परिवार में किसी के साथ मनमुटाव से बचें . आपका भाग्य चमक सकता है.

मकर-घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ-मार्च महीने का यह पहला सप्ताह लाभ का संयोग बना रहा है. इस हफ्ते राशि से दसवें भाव में मंगल का गोचर होना आपके करियर और कारोबार के लिए शुभ रहने वाला है. आपको कुछ अप्रत्याशित लाभ भी प्राप्त होगा. नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढ़ेगा. सप्ताह के आरंभ में थोड़ी अधिक व्यस्तता रहेगी लेकिन सप्ताह मध्य का समय आपके लिए रिलैक्स करने वाला वाला रहेगा.

मीन-मीन राशि के लिए यह हफ्ता बहुत ही पावरफुल और शुभ है. 2 मार्च को शुक्र आपकी ही राशि यानी फर्स्ट हाउस में उच्च के हो रहे हैं, जो आपके चार्म, क्रिएटिविटी और इमोशनल वार्मथ को बढ़ाएंगे. चंद्रदेव कन्या राशि में आने से पार्टनरशिप और रिश्ते हाइलाइट होंगे. 6 मार्च की रात से चंद्रदेव तुला राशि में जाने से इमोशनल हीलिंग में मदद मिलेगी.

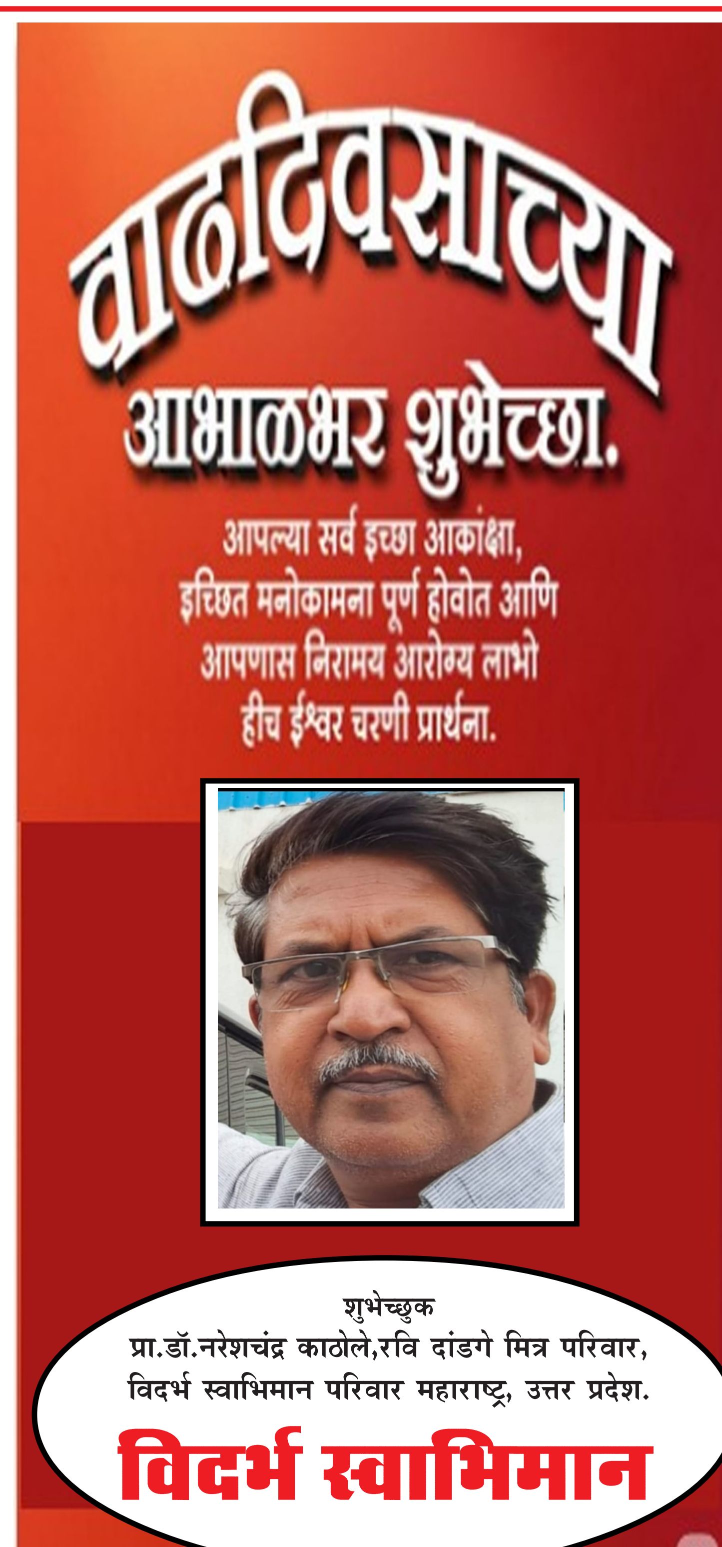

मानवता की सेवा होती है सबसे बड़ी सेवा

साक्षात्कार में राजा बागडे का प्रतिपादन, प्रभाग विकास में सदैव देता रहूंगा योगदान

विदर्भ स्वाभिमान,25 मार्च

अमरावती-जीवन में राजनीति को कमाई नहीं बल्कि जनता की सेवा का बेहतरीन माध्यम मानता हूं. राजनीति में हार जीत को महत्व नहीं दिया और समाजसेवा तथा मानव सेवा को सदैव महत्व दिया है और भविष्य में भी देता रहूंगा. गड़गड़ेश्वर प्रभाग के लिए विकास कामों के लिए युवा स्वाभिमान पार्टी के प्रमुख विधायक रवि राणा के मार्गदर्शन में लाखों रूपए के विकास काम हुए हैं, कई शुरू हो गए हैं. यह प्रयास निरंतर जारी रखने की बात समाजसेवी, युवा स्वाभिमान पार्टी के पदाधिकारी युवा नेता राजा बागडे ने कही.

सेवाभावी आदर्श युवा नेता के रूप में उन्होंने राजनीति या सामाजिक जीवन को सत्ता का साधन नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम माना है. उसका मूल मंत्र होता है जनसेवा ही सच्ची राजनीति में विश्वास रखते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव में हार जीत होती है लेकिन हजारों मतदाताओं ने उन्हें साथ दिया, यह भी किसी जीत से

कम नहीं है.विधायक रवि राणा, युवा स्वाभिमान के मार्गदर्शक सुनील राणा के सामाजिक कामों का जिक्र करते हुए राजा बागडे ने कहा कि बचपन से ही माता-पिता की सेवा और उनके विचारों से सामाजिक सेवा को महत्व दिया. पिछले 20 वर्षों से सामाजिक, रक्तदान के साथ ही विकास कामों के लिए प्रयासरत रहते हैं.चुनाव में हार से थोड़ा निराश हुए लेकिन बावजूद इसके सेवा का काम जारी रहने की बात कही.

मिलनसार तथा रक्तदान सहित सेवा कामों में अग्रणी पंकज उर्फ राजा बागड़े वह ऐसे युवा नेता हैं, जो समाज की समस्याओं को केवल सुनता नहीं, बल्कि उनके समाधान के लिए ज़मीन पर उतरकर कार्य करते हैं. शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, किसान, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के भविष्य जैसे मद्दों पर वह सतत सक्रिय रहते हैं. प्रभाग के विकास के साथ ही युवाओं की बेहतरीन टीम उनकी खूबी है. मुसीबत के समय सबसे पहले पहुँचने वाला, और सामान्य दिनों में भी जनहित के छोटे-छोटे कार्यों में जुटा रहने वाला यही उसकी पहचान होती है.सेवाभावी युवा नेता के रूप में ईमानदारी, पारदर्शिता और संवेदनशीलता का प्रमख गुण होते हैं. वह जाति, धर्म या वर्ग से ऊपर उठकर सभी को साथ लेकर चलते हैं. यही कारण है कि वे सदा लोगों के काम के लिए अपनी ओर से प्रयास करते हैं.

प्रभागवासियों की सेवा सदा करने की बात कही. अभी तक किए गए सामाजिक कामों से मिले संतोष का जिक्र करते हुए राजा बागडे ने कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा वे मानते हैं. पवित्र श्रीराम नवमी तथा हनुमान जन्मोत्सव पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देकर जीवन में खुशियां लबरेज रहने की कामना की. साथ ही क्षेत्र के विकासार्थ सदैव सेवारत रहने की बात भी कही.

ज़ीवन में जब मर्यादा का पालन होता है तो वह खिल जाता है लेकिन जब मर्यादा का भंग होता है तो मानवता हिल जाती है. प्रभु श्रीराम मर्यादा पुरूषोत्तम कहे जाते हैं. उनका जीवन सिखाता है कि सत्य, धैर्य और मर्यादा के साथ जीवन जीकर हर व्यक्ति अपना जीवन सफल बना सकता है.

३६ दिव्य गुणों से युक्त प्रभु श्रीराम

आदर्श पुत्र, पति, राजा और मनुष्य के प्रतीक हैं. प्रमुख गुण: सत्य, धर्मपरायणता, कर्तव्यनिष्ठा, विनम्रता, करूणा, क्षमा, धैर्य, पराक्रम, न्यायप्रियता, त्याग, संयम, सरलता, दया, मर्यादा, बड़ों का सम्मान, मित्रता, लोकहित, वचनबद्धता, सहनशीलता, विवेक, परोपकार, नीति, उदारता, आत्मसंयम, शौर्य, नेतृत्व, ईमानदारी, निडरता, दृढ़ निश्चय, सौम्यता, कृतज्ञता और आध्यात्मिकता।

श्रीराम का जीवन सिखाता है कि सत्य, धैर्य और मर्यादा के साथ जीवन जीकर हर व्यक्ति अपना जीवन सफल बना सकता है।

गुणों की खान हैं कृपानिधान....

पेज १ से जारी- लौटने के बाद श्रीराम ने रामराज्य की स्थापना की, जहां न्याय, समानता और जनकल्याण सर्वोपरि था. उन्होंने प्रजा के हित को अपने व्यक्तिगत सुख से ऊपर रखा, जिससे वे एक आदर्श शासक बने. जीवन की खुशियों में क़ारण राम होते हैं. प्रभु श्रीराम सत्य शिवम सुंदरम को जीवन में अपनाते रहे और जीवन में उन्होंने यही संदेश बी समस्त संसार को दिया. प्रभु किसी एक गुण में नहीं बंधे, उनके हजारों रूपों का दर्शन समस्त संसार ने अवतार के समय किया. उनके कुछ गुण भी जीवन में मानव अगर आत्मसात कर ले तो जीवन में कभी दुखों का अनुभव नहीं कर पाएगा.

प्रभु श्रीराम कभी किसी में दोष नहीं देखते थे. सद्गुणों में उनके समान संसार में कोई नहीं था, गुणों के कारण वे अपने पिता दशरथ के समान ही योग्य सुपुत्र भी थे. सदा शांत रहते हुए मधुर शब्दों से प्रेम का परिचय देते थे. यदि कोई उनसे कठोर शब्द भी कहता तो प्रतिकार का भाव नहीं रहता था. स्वयं परमात्मा का अवतार रहने के बाद भी माता.पिता तथा गुरूजनों की महत्ता को सदा बढ़ाते थे. उनके जीवन का चरित्र श्रीरामचरितमानस जीवन तथा परिवार को समृद्ध और प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाने की क्षमता रखता है. प्रभु श्रीराम का जीवन महानतम है, उनके गुणों का बखान करने के लिए मानव के लिए संभव ही नहीं है. श्रीराम नवमी पर सभी को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. उनकी कृपा रहे और हमारे जीवन में सत्संग तथा सद्विचार होकर जीवन धन्य हो, यही कामना.

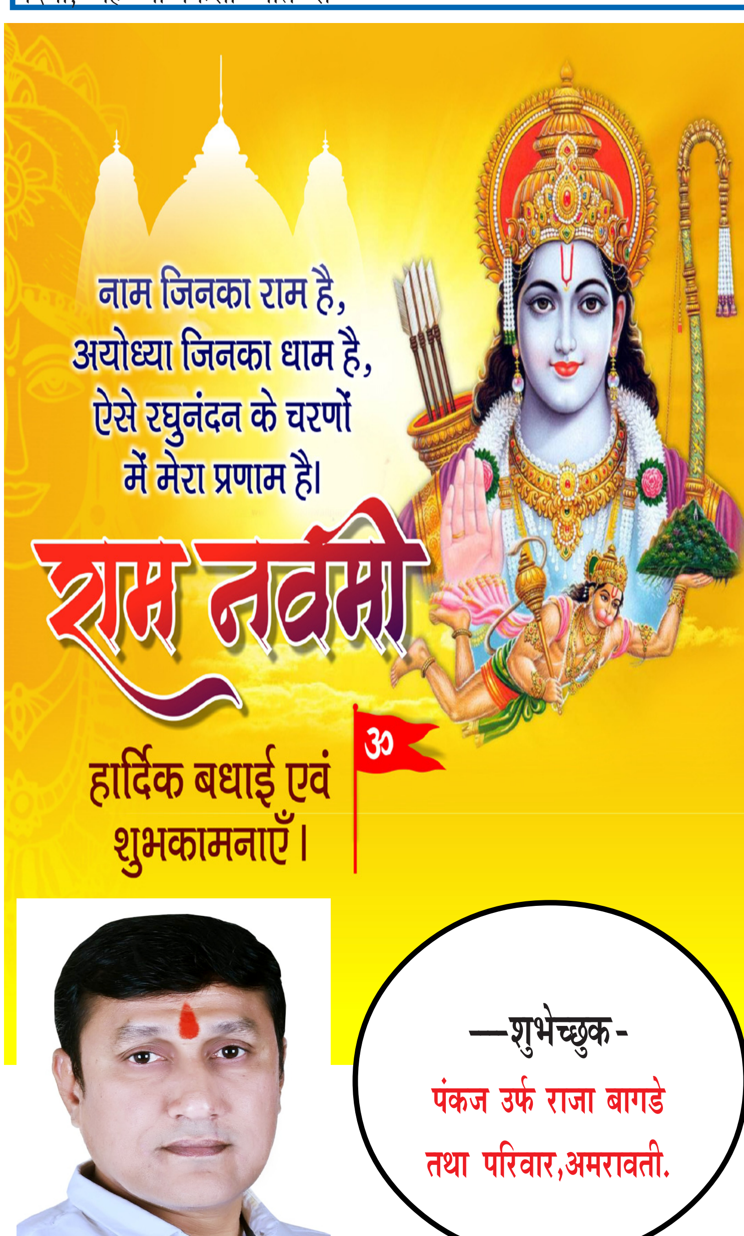

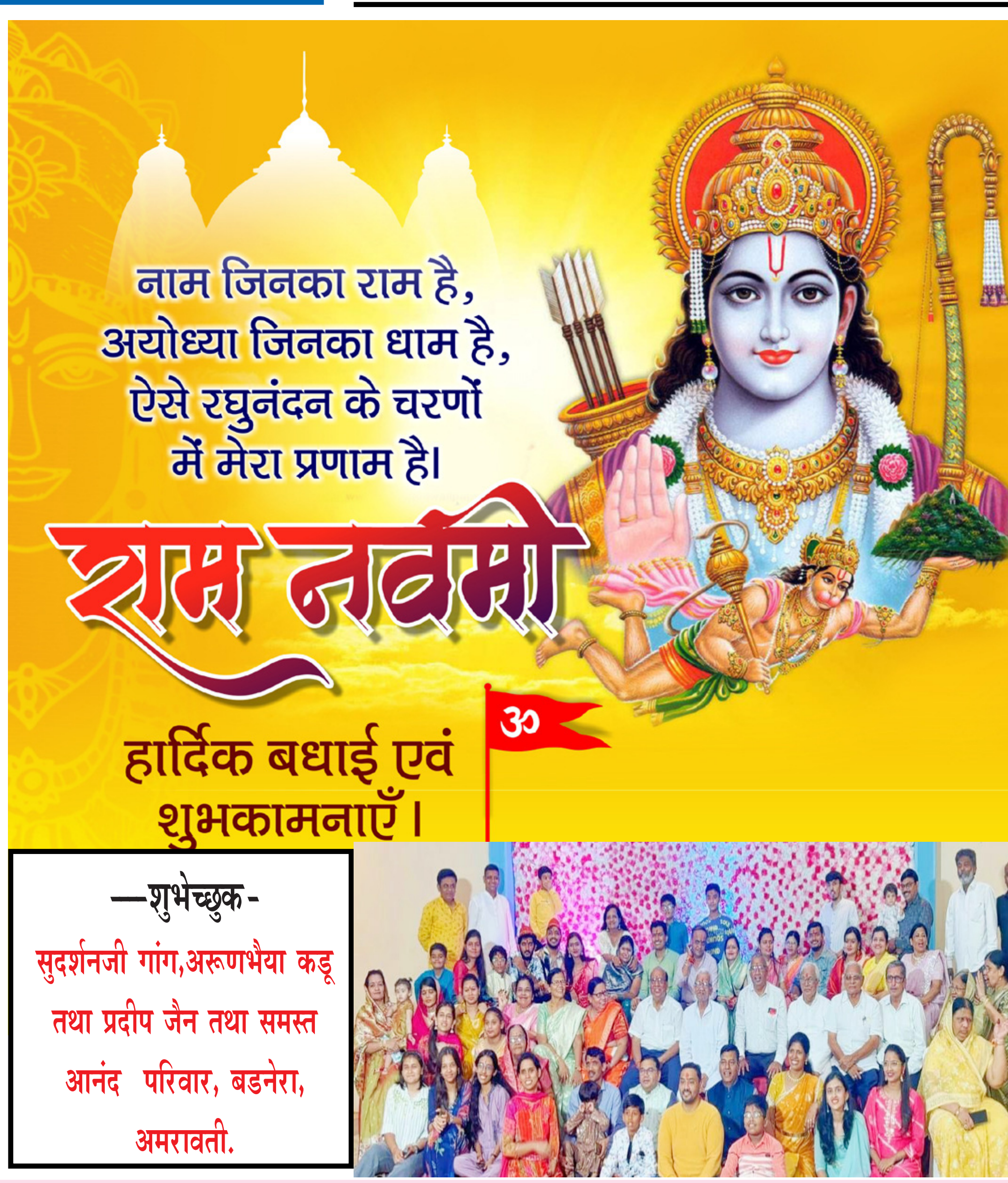

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क

9423426199/8855019189

विधायक केवलराम काले ने खत्म किया दशकों पुराना अंधेरा

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस से लगातार संपर्क किया, शीघ्र ही गांवों में होगा उजियारा, विकास भी होगा तेज

विदर्भ स्वाभिमान, 25 मार्च

अमरावती- आजादी के कई दशकों के बाद भाजपा विधायक केवलराम काले के प्रयासों से मेलघाट के 22 आदिवासी व दुर्गम गांवों में रोशनी पहुंच रही है. इसको लेकर उनकी सर्वत्र सराहना की जा रही है. उनके मुताबिक आदिवासियों के जीवन को सुकर करने के लिए वह हरसंभव प्रयास करेंगे. राज्य विधानमंडल में विषय उठाने के अलावा मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस से मुलाकात करते हुए 22 गांवों में सौर उर्जा के माध्यम से अंधेरा खत्म करने का प्रयास किया और उसे सफलता भी मिली. उनके प्रयासों की सराहना सर्वत्र की जा रही है.

आजादी के इतने वर्षों बाद भी आदिवासी मेलघाट में 22 से अधिक गांवों तक बिजली का नहीं पहुंचना जहां व्यवस्था की खामी को उजागर करताहै, वहीं दूसरी ओर इस दिशा में गंभीरता से पहल करने तथा राज्य सरकार से मंजूर कर लाने के लिए विधायक केवलराम काले की सराहना की जानी चाहिए. आजादी का मतलब केवल स्वतंत्रता नहीं बल्कि आजादी का मतलब सभी को समान अधिकार, सभी को समान अवसर और सभी को समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराना है. शहरों की चकाचौंध के बीच ग्रामीण क्षेत्र आज भी विकास में कहीं पीछे तो नहीं छूट गए, इस पर गौर करने तथा समुचित कदम उठाने की जरूरत है.

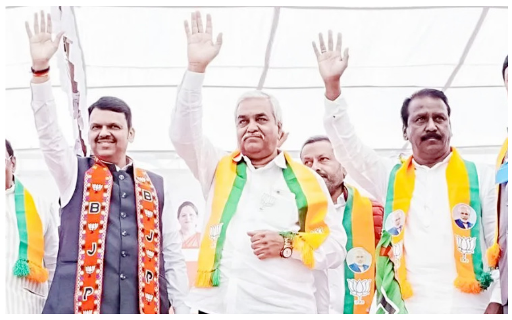

मेलघाट में आजादी के बाद से अनगिनत समस्याओं से लोगों को जूझना पड़ा है और आज भी जूझना पड़ रहा है.

लंबे समय से बिजली से वंचित मेलघाट के 22 गांवों को अब जल्द ही राहत मिलने वाली है. विधायक केवलराम काले के सतत प्रयासों के चलते मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इन गांवों में सोलर ऊर्जा परियोजना लागू करने के निर्देश दिए हैं. इससे 80 दशकों का गांव का अंधेरा खत्म होकर रोशनी मिलने वाली है.धारणी और चिखलदरा तहसील के इन आदिवासी बहुल गांवों में अब तक बिजली सुविधा नहीं होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. वन क्षेत्र होने के कारण पारंपरिक बिजली व्यवस्था संभव नहीं हो सकी, जिसके चलते सोलर ऊर्जा का विकल्प अपनाया गया है.

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद सभी गांवों में सोलर प्लांट स्थापित कर बिजली उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू होगी. साथ ही पहले लगाए गए खराब सोलर लाइटों की मरम्मत के भी निर्देश दिए गए हैं. इस फैसले से शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल है. विधायक काले की भी सराहना की जानी चाहिए जो उन्होंने कई दशकों से अंधेरे में फंसे आदिवासियों के जीवन में रोशनी की किरण लाई.मेलघाट के सर्वांगीण विकास के प्रयास के लिए भी वे लगातार प्रयासरत हैं.

रील और रीअल लाइफ का भेद बताने में सक्षम है तमाच्या तळाशी दिवे लागले

जीवन में विपरीत स्थितियों में किसी का साथ देना और उतना ही प्रेम प्राप्त करना, कमियों की बजाय कमी को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाते हुए कामयाबी का इतिहास रचने वालों की संख्या कम हो रही है, जबकि समस्याओं का रोना रोने वालों की संख्या बढ़ रही है. सकारात्मक विचार जीवन को किस तरह बदल सकता है इसका ज्वलंत उदाहरण नागपुर निवासी सुषमा मूलमुले द्वारा लिखित किताब है. इस किताब के प्रमुख पात्र एड.शिरीष देशपांडे हैं लेकिन डॉ. शैला देशपांडे के बिना वह भी अधूरे हैं. नेत्रहीन रहकर भी महान विद्वान एड.शिरीष देशपांडे के करीब ही किताब में पूरी कहानी घूमती है. बचपन से ही आंखों की रोशनी गायब होने के बाद भी उसे दरकिनार करते हुए विद्वता और कानून की पढ़ाई में सर्वोच्च स्थान हासिल करने के अलावा उनके एक व्याख्यान के दौरान ही उन्हें अपना जीवन साथी मान लेने वाली शैला भी मेधावी छात्रा रही हैं. बावजूद इसके विद्वता पर प्रभावित होकर लिया गया फैसला आसान नहीं है.

सामाजिक लहर के खिलाफ जाते हुए शैला ने जहां अपने मन की बात कही वहीं दूसरी ओर इस मामले में उनकी मुंहबोली भाभी विजयाताई, भावी पति को लेकर शालिनी ताई द्वारा किया गया समाधान,अन्ना और ताई का साथ यह साबित करता है कि जीवन में अगर सकारात्मक सोच रखने छ्वा लोगों का साथ हो तो बेहतरीन इतिहास रचा जा सकता है. लेखिका की इसके लिए सराहना की जानी चाहिए कि इस किताब में जिस तरह छोटे-छोटे चैप्टर के माध्यम से बड़ी बात कहने में सफलता हासिल की है, वह भी विलक्षण है. हमारे जीवन में कभी-कभी कोई दिन अत्यधिक महत्वपूर्ण साबित हो जाता है. कुछ ऐसा ही दिन व्याख्यान का दिन रहने संबंधी शैला की भावना बहुत कुछ कहने का सामर्थ्य रखती है. प्रेम कभी रूप रंग नहीं देखता है, यह बात यह किताब साबित करती है. उच्च विद्या विभूषित डॉ.शैला देशपांडे व्याख्यान से मंत्रमुग्ध होना और दिव्यांग शिरीष को जीवनसाथी बनाने का फैसला करना, इस कार्य में उन्हें अपनों का साथ मिलना और यह दंपति प्रेम की अमर गाथा बनने तक का मुकाम हासिल करना इस किताब की जहां खूबी है, वहीं दूसरी ओर इसमें आए हर पात्र जिस तरह से सकारात्मक राय देते हैं वह भी अपने आप में किसी आश्चर्य से कम नहीं है.

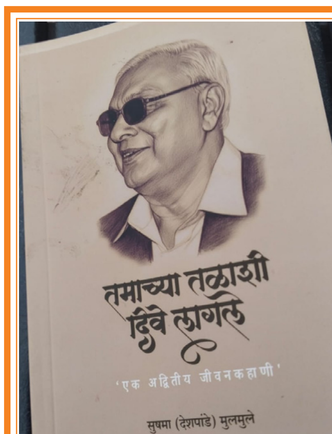

पुस्तक समीक्षा

सुभाषचंद्र जे.दुबे

संपादक,विदर्भ स्वाभिमान

दिव्यांगों को लेकर वर्तमान युवतियों की सोच बदलने का सामर्थ्य यह किताब रखती है. किसी भी तरह अच्छे लोगों की तलना में दिव्यांग कहीं कम साबित नहीं होते हैं इसका शानदार उदाहरण जीवन की सच्चाई से करीबी संबंध रखने वाली किताब के माध्यम से दिया जा सकता है. इस किताब की सबसे बड़ी खूबी यह है कि पहले पन्ने से लेकर आखिरी पन्ने पढ़ने तक उत्सुकता पैदा करने में लेखिका सफल रही है. यह भले ही शैला और शिरीष की जोड़ी की कहानी है लेकिन इस किताब के माध्यम से आम व्यक्ति के जीवन की कई कमियों को पूरा करने की ताकत रहने से कोई भी इनकार नहीं कर सकता. किताब में कहीं भी शैला का गुणगान नहीं रहना और जहां जरूरत है, वहां रहने की बेहतरीन कलाबाजी का परिचय लेखिका सुषमा देशपांडे मूलमले ने कराया है.

जीवन में स्थितियों से बिना हारे जिस तरह से दृष्टिहीन शिरीष देशपांडे ने अपनी मेहनत लगन और समर्पण से कामयाबी की बलंदी हासिल की है और वह जिस तरह से जीवन को सदा सकारात्मक तरीके से लेते हैं, इस जोड़ी की सफलतम दांपत्य जीवन का इससे बड़ा उदाहरण और प्रमाण नहीं हो सकता है. इस दम्पति की सह्मदयता और समझदारी निश्चित तौर पर वर्तमान युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा देने का कार्य करने में सक्षम है. जीवन में पति-पत्नी की चाहत अलग हो सकती है लेकिन अगर एक दूसरे को दिल से समझने का भाव हो तो ज़ीवन स्वर्ग सा सुंदर होता है. किसी पत्नी द्वारा अपने पति को दिए गए अभूतपूर्व तोहफे के रूप में इस किताब का जिक्र करना गलत नहीं होगा.

यह किताब भले ही शैला और शिरीष देशपांडे के जीवन की कहानी है लेकिन यह किताब पढ़ते समय निश्चित तौर पर दांपत्य जीवन किस तरह सुखमय हो सकता है, प्रेम को त्याग का साथ रहने के बाद वह किस तरह खुशहाल होता है और जीवन बहुत छोटा लगने लगता है इसका प्रतीक यह किताब कही जा सकती है. विदर्भ स्वाभिमान महसूस करता है कि वर्तमान युवा पीढ़ी को निश्चित तौर पर अपना जीवन सुखमय और कामयाब बनाने के लिए **तमाच्या तळासी दिवे लागले** इस किताब को न केवल पढ़ना चाहिए बल्कि प्रस्तुत किए गए जीवन तत्वों का अनुसरण कर अपने जीवन को धन्य बनाने का प्रयास करना चाहिए. मुझे पूरा विश्वास है कि इस किताब का दिल से अध्ययन करने पर निश्चित तौर पर आपका दांपत्य जीवन सफल और खुशियों से भरा रहेगा.डॉ.शैला देशपांडे ताई का अभिनंदन.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्‌चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी. शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य 1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें. मानवता की सेवा तथा राष्ट्रधर्म को समर्पित तथा पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को महत्व देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मदद तथा आपके विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क 9423426199/8855019189